जेएसएलपीएस (JSLPS) द्वारा पीवीटीजी (PVTGs) जनजातियों के विकास की पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS)** द्वारा आजीविका सुधार के माध्यम से राज्य के विशेष रूप से **कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs)** को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के लिये गैर-सरकारी संगठन 'वासन' के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- इस समझौते के अनुसार वासन, **JSLPS** द्वारा संचालित 'उड़ान' प्रोजेक्ट के अंतर्गत **PVTGs** की आजीविका सुधार के लिये उनको शहद की उन्नत खेती से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि का प्रयास किया जाएगा।
- इस परियोजना के तहत **JSLPS** द्वारा झारखंड बाजरा मिशन शुरू किया जाएगा, जिसमें वासन द्वारा बाजरा उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण विपणन आदि तक तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी।
- साथ ही राज्य के 20 पिछड़े प्रखंडों में बैकयार्ड पॉल्ट्री के माध्यम से उद्यमिता का मॉडल स्थापित कर **PVTGs** की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड की कुल जनसंख्या में से 26.2% जनसंख्या अनुसूचित जनजातियों की है। इसमें से कुछ जनजातियों **PVTGs** का दर्जा प्रदान किया गया है, जैसे- असुर, बिरहोर, बिरजिआ, पहाड़ी खारिया, कोरवा, माल पहाड़िया, परहिया आदि।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/initiatives-for-development-of-pvtgs-tribes-by-jslps